Sl. No. of Q.P. : 4277

Unique Paper Code	:	12315405_NC
Paper Type	:	GE
Name of the Paper	:	Religion and Religiosity
Name of the Course	:	B. A. (Hons.) History
Semester	:	IV
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	75

Ramanujan College Library
Kalkaji, New Delhi-110019

Instructions for Candidates

1. Attempt any **four** questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश:

1. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. उत्तर अंग्रेज़ी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Vedic traditions developed in various ways in the post Vedic period. How did the Puranic traditions carry forward and modified the Vedic beliefs and practices?
वैदिक काल के बाद वैदिक परंपराएँ विभिन्न प्रकार से विकसित हुई। पौराणिक परंपराओं ने किस तरह से वैदिक मान्यताओं व व्यवहार को बदला भी और आगे भी बढ़ाया?

2. Discuss the material and social background to the rise of Buddhism, Jainism and other non-Vedic traditions in the post-Vedic period.
जिस भौतिक तथा सामाजिक पृष्ठभूमि में बौद्ध, जैन एवं अन्य गैर-वैदिक परंपराओं का उद्भव हुआ, उसकी विवेचना कीजिए।

3. How do different historians describe the emergence of Sikhism as a religion in different ways?
विभिन्न इतिहासकार सिख धर्म के उदय का वर्णन किन अलग अलग तरीक़ों से करते हैं?

4. Analyse the various historical perspectives on the issue of how collective identities were formed in medieval India. Do you agree with the view that such identities were multiple and contingent?
मध्यकालीन भारत में सामूहिक अस्मिताएँ कैसे बनती थीं इस पर मौजूद विभिन्न ऐतिहासिक दृष्टिकोणों का विश्लेषण कीजिए। क्या आप सहमत हैं कि ये अस्मिताएँ बहुल व संदर्भ-सापेक्ष थीं?

5. Describe the debate among historians about the historical process through which Islam spread in the medieval period in India.

मध्यकालीन भारत में इस्लाम का प्रसार जिन ऐतिहासिक प्रक्रियाओं से हुआ उस पर इतिहासकारों में जो वाद-विवाद है उसका वर्णन करें।

6. Is religion a unit whose boundaries are fixed once and for all by its 'authentic' texts and authorized interpreters? Discuss with reference to any one religion in the context of late eighteenth and early nineteenth centuries in India.

क्या 'धर्म' (रिलीज़न) एक ऐसी इकाई है जिसकी हदें हमेशा व सबके लिए एक ही बार उसके प्रामाणिक ग्रंथों तथा अधिकृत व्याख्याकारों के द्वारा तय कर दी जाती हैं। अट्ठाराहवीं सदी के अंत व उन्नीसवीं सदी के प्रारंभ के भारत में किसी एक धर्म का संदर्भ देकर विवेचना कीजिए।

7. How did census, popular reform movements, rush to establish authentic definitions and other modern tendencies affect the liminal possibilities that existed between religious communities in the early colonial period?

सरकारी जनगणना, लोकप्रिय सुधार आंदोलन, प्रामाणिक परिभाषाएँ स्थापित करने की होड़ तथा अन्य आधुनिक प्रवृत्तियों ने शुरुआती औपनिवेशिक दौर में किस प्रकार से विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच उपलब्ध सीमांत संभावनाओं को प्रभावित किया?

8. Discuss the debate on the issue of Indian secularism on the eve of and in the aftermath of India's independence.

भारत की आज़ादी के ठीक पहले और ठीक बाद में भारतीय धर्मनिरपेक्षता पर हुए बहसों की विवेचना कीजिए।